Tender Heart High School, Sector 33-B, Chandigarh

Date- Class- V
Subject- Hindi Literature Page - 1
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

पुस्तक - नवतरंग भाग-5
पाठ - 3 चूदड़ साईं

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

यह पाठ कक्षा पाँचवी के हिन्दी साहित्य का हैं। आज इस पाठ में आपको पाठ-3 चूदड़ साईं का अगला भाग भेजा जाएगा।

बच्चो! जब एक दिन मोहन के पिता ने देख लिया। वे मोहन पर बहुत बिगड़े। उन्होंने मोहन को डाँटा कि वह इन लोगों के साथ बातें न किया करे। यह सुनकर साईं हँस पड़ा और वहाँ से चला गया।

फिर कई दिन बाद जब साईं आया। वह जान- बूझकर मोहन के घर की ओर नहीं गया। मोहन पढ़कर लौट रहा था, उसने रास्ते में चूदड़ साईं को देख लिया। उसने पुकारा, "साईं! ओ साईं।" साईं लौट आया।

साईं, तुम आजकल आते नहीं!
तुम्हारे बाबा बिगड़ते थे।
नहीं, तुम रोटी ले जाया करो।
भूख नहीं लगती।

मोहन प्यार से बोला, "अच्छा, कल ज़रूर आना, भूलना मत।"

इतने में एक लड़का साईं का चूदड़ लेकर भाग गया। साईं अपना चूदड़ लेने के लिए

Scanned with CamScanner

__/__/__

Date -   Class- V
Subject- Hindi Literature   Page-2
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

उसके पीछे दौड़ा। मोहन खड़ा यह सब देखता रहा। देखते ही देखते साईं आँखों से ओझल हो गया। चौराहे तक दौड़ते - दौड़ते साईं को ठोकर लगी, वह गिर पड़ा। सिर से खून बहने लगा। खिझाने के लिए जो लड़का गूदड़ लेकर भागा था, वह डरकर ठिठक गया। वहाँ से मोहन के पिता जी गुजर रहे थे। उन्होंने एकदम उस लड़के के चपत (चाँटे) लगाए। साईं उठकर खड़ा हो गया। करुण स्वर में बोला, "मत मारो, मत मारो, चोट आती होगी!" लड़के को छुड़ाने का प्रयास करने लगा। मोहन के पिता ने साईं से पूछा, "तो चिथड़े के लिए दौड़ते क्यों थे?"

सिर फूटने पर भी जिसको रुलाई नहीं आई थी, लड़के को रोते देखकर उस साईं की आँखों में भी आँसू आ गए। वह बोला, "बाबा, मेरे पास दूसरी कौन-सी वस्तु है, जिसे देकर इन बालरूप भगवान को प्रसन्न करता! मोहन के पिता बोले, "क्या तुम इसलिए गूदड़ रखते हो?" साईं सरल भाव से बोला, "इस चिथड़े को लेकर भागते हैं ईश्वर और मैं उनसे झगड़कर छीन लेता हूँ; रखता हूँ फिर उन्हीं से छिनवाने के लिए। सोने का खिलौना तो उचक्के भी छीन लेते हैं, पर चिथड़ों पर तो ईश्वर ही दया करते हैं। इतना कहकर साईं बालक का मुँह पोंछते हुए मित्र के समान गलबाँही डाले हुए चला गया।

गृहकार्य :- • पाठ को ध्यानपूर्वक दो - से तीन बार पढ़ें।

Last page.